हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 222 देहरादून, शुक्रवार, 24 फरवरी, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उत्तराखण्ड संस्कृत अकादमी की शासी निकाय की प्रथम बैठक

3

बेहतरीन रोपवे से जल्द आसान होगी यमुनोत्री धाम की यात्रा : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री धामी एवं पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज रहे अनुबंध में मौजूद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 23 फ़रवरी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज की उपस्थिति में मुख्यमंत्री आवास में यमुनोत्री रोपवे प्रोजेक्ट के लिए पर्यटन विभाग, निजी निर्माण कंपनी एस.आर.एम. इंजीनियरिंग एवं एफआईएल इंडस्ट्री प्रा. लि. के बीच अनुबंध किया गया। ले. कमान्डर दीपक खण्डूरी (से.नि.) निदेशक अवस्थापना एवं अविरल जैन ने एमओयू हस्ताक्षरित किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इस इस रोपवे परियोजना के पूर्ण होने के बाद यमुनोत्री धाम अपने शीतकालीन स्थल खरसाली से जुड़ जायेगा। इस रोपवे परियोजना के बनने के बाद श्रद्धालुओं को यमुनोत्री धाम के दर्शन करने में सुगमता होगी। अभी पैदल मार्ग से यमुनोत्री धाम पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को 2 से 3 घण्टे का समय लग जाता है, रोपवे बन जाने के बाद मात्र 15 से 20 मिनट में श्रद्धालु यमुनोत्री के दर्शन के लिए पहुंच जायेंगे एवं प्रदूषण मुक्त प्राकृतिक सौन्दर्य का लाभ उठा पायेंगे। इस रोपवे परियोजना के पूर्ण होने पर श्रद्धालुओं को तो सुविधा मिलेगी ही साथ ही स्थानीय स्तर पर लोगों के रोजगार के संसाधन भी बढ़ेंगे।

पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि खरसाली से यमुनोत्री धाम तक बनने वाला यह रोपवे मॉ यमुना के ग्रीष्मकालीन व शीतकालीन धामों को एक साथ जोड़ने एवं उत्तराखण्ड में धार्मिक पर्यटन की संभावनाओं में एक और नये अध्याय का कार्य करेगा। परियोजना का क्रियान्वयन तय सीमा में पूर्ण किये जाने का लक्ष्य रखा गया है। सचिव पर्यटन सचिन कुर्वे ने कहा कि जानकीचट्टी (खरसाली) से यमुनोत्री बनने से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा साथ ही श्रद्धालुओं को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी।

यमुनोत्री धाम के लिए बनने वाला 3.38 किमी लंबाई का यह रोपवे मोनोकेबल डिटैच्चेबल प्रकार का होगा। जिसका निर्माण यूरोपीय मानकों के अनुसार फ्रांस और स्विटजरलैंण्ड की तर्ज पर किया जायेगा। इस रोपवे की यात्री क्षमता एक घंटे में लगभग 500 लोगों को ले जाने की होगी। रोपवे के एक कोच की क्षमता आठ लोगों को ले जाने की होगी। यह रोपवे पर्यटन विभाग द्वारा पीपीपी मोड पर निर्मित किया जाना प्रस्तावित है। यमुनात्री को रोपवे से जोड़ने के साथ ही पार्किंग, आवासीय व्यवस्था, रेस्टोरेंट के निर्माण भी प्रस्तावित हैं। लगभग 166.82 करोड़ रूपये की लागत से बनने वाले रोपवे का लोअर टर्मिनल खरसाली में 1.787 हेक्टेयर भूमि पर बनाया जायेगा, जबकि अपर टर्मिनल 0.99 हेक्टेयर भूमि पर बनाया जायेगा।

इस अवसर पर विधायक यमुनोत्री संजय डोभाल, अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (साहसिक विंग) कर्नल अश्वनि पुण्डीर (से.नि.), अपर निदेशक पर्यटन पूनम चंद, साहसिक खेल अधिकारी सीमा नौटियाल उपस्थित थे।

सीएम धामी ने की गोल्ज्यू मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 23 फ़रवरी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चम्पावत स्थित गोल्ज्यू मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोल्ज्यू न्याय के देवता हैं इसी कारण लोगों की उनके प्रति विशेष श्रद्धा रहती है, सभी की आस्था का यह प्रमुख स्थल है। यहां से मनोकामना पूर्ण होने से लोगों को मानसिक शांति का भी अनुभव होता है। मंदिर परिसर में मुख्यमंत्री ने मंदिर से जुड़े लोगों के साथ ही उपस्थित बच्चों एवं बुजुर्गों आदि से भी बातचीत की तथा क्षेत्र की समस्याओं की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी के सहयोग से प्रदेश के सभी क्षेत्रों के विकास के लिये प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं। जन समस्याओं का त्वरित निराकरण हो इसके लिये शासन से लेकर ब्लॉक स्तर तक सभी अधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं।

सीएम धामी ने की चंपावत के घटकू मंदिर में पूजा अर्चना

देहरादून, 23 फ़रवरी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को चंपावत के घटकू मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेश की सुख एवं शांति की कामना की। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर स्थानीय जनता से भेंट की तथा उनकी समस्यायें सुनी।

केंद्रीय संचार ब्यूरो, देहरादून की सहायक निदेशक व अन्य अधिकारियों ने की राज्यपाल से भेंट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 23 फ़रवरी। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से गुरुवार को राजभवन में केंद्रीय संचार ब्यूरो, देहरादून की सहायक निदेशक डॉ. संतोष आशीष व अन्य अधिकारियों ने मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राज्यपाल को विभाग की विभिन्न क्रिया-कलापों एवं गतिविधियों की जानकारी दी। राज्यपाल ने केंद्रीय संचार ब्यूरो, देहरादून द्वारा जनवरी माह में किये गए कार्यक्रम बीटिंग रिट्रीट की सराहना की। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में पहली बार इस तरह का कार्यक्रम हुआ है जिसमें आईएमए, आईटीबीपी, पुलिस और स्काउट्स के बैंड ने अपने प्रदर्शन से सभी का मन मोह लिया था। राज्यपाल ने कहा कि विजय चौक, दिल्ली में होने वाले बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी से प्रेरणा लेकर अगले वर्ष और अधिक भव्य बनाने के प्रयास करें। इसमें जनप्रतिनिधियों, स्थानीय लोगों, स्कूली और कॉलेज के छात्र-छात्राओं की भागीदारी बढ़ाने का भी प्रयास करें। उन्होंने इस कार्यक्रम में सहयोग करने वाले सभी विभागीय अधिकारियों की सराहना की।

इंटरव्यू कैसे दें, ये है आसान तरीका

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 23 फ़रवरी , बहुत सारे उम्मीदवारों के लिए साक्षात्कार नौकरी पाने में एक बाधा के रूप में सामने आता है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि रणनीति बनाकर साक्षात्कार की तैयारी की जाए तो सफलता मिलने की संभावना काफी बढ़ जाती है। भारतीय राजस्व सेवा के एक अधिकारी, जिन्होंने कई किताबें भी लिखी हैं, का कहना कि साक्षात्कार के दौरान कई प्रकार की सावधानी रखनी चाहिए। इनमें से कुछ के बारे में यहां बताया जा रहा है।

सावधानीपूर्वक सुनें सवाल :

किसी भी पूछे गए सवाल का उत्तर देने के लिए सबसे पहला कदम यह होता है कि आपसे क्या पूछा जा रहा है, उस पर पूरा ध्यान दें और पूरी तरह से समझें कि सवाल का मर्म क्या है। यदि किसी कारणवश आप सवाल को ठीक प्रकार से नहीं समझ पाते हैं तो ऐसी दशा में आप साक्षात्कार लेने वालों से बिना झिझके कहें 'सर, मुझे क्षमा कीजिए' या 'सर, मैं सवाल को ठीक प्रकार से समझ नहीं पाया हूं' आदि। सवाल को समझे बिना उसका गोलमोल उत्तर देने से ज्यादा बेहतर है कि आप साक्षात्कार लेने वालों से विनम्रतापूर्वक सवाल को दोहराने का आग्रह करें।

उत्तर देने से पहले थोड़ी देर ठहरें :

अपना उत्तर देने से पहले कुछ देर इंतजार करें। चुप्पी के ये क्षण अत्यधिक महत्त्वपूर्ण होते हैं क्योंकि इस समय आपको अपने विचारों को आकार प्रदान करने का अवसर मिल जाता है। इस दौरान आप सवाल को समझते हैं और तथ्यों, सूचनाओं, मतों आदि को याद करते हैं और अपने उत्तर को सही रूप देते हैं। अतः जरूरी है कि अपना उत्तर देने से पहले कुछ समय मौन रहें।

शांति से छोटा उत्तर दें :

यह अत्यधिक महत्त्वपूर्ण है कि उत्तर देते समय उत्तेजना और कभी-कभी हो जाने वाली घबराहट के बावजूद, आप अपनी मानसिक स्थिरता और शांत मनोभाव बनाए रखें। यदि आपके सम्मुख कोई ऐसा सवाल रखा जाता है जिसे आप नहीं समझ सके या आप उसका उत्तर नहीं जानते हैं तो घबराएं नहीं या विचलित न हों। आप अपनी शांत मुद्रा और एकाग्रता बनाए रखें व सदस्यों से सवाल को फिर से पूछने या और अधिक स्पष्ट विनम्रतापूर्वक यह कहना ज्यादा उचित होगा कि 'मैं इसका उत्तर नहीं जानता'। लेकिन किसी भी दशा में आप घबराएं नहीं या अपना मानसिक संतुलन न खोएं। उत्तर संक्षिप्त, कसा हुआ और सटीक होना चाहिए। इसमें किसी प्रकार का ढीलापन नहीं होना चाहिए। इसमें असंबद्ध तथ्यों और विषय से हटे हुए उत्तरों के लिए कोई स्थान या अवसर नहीं है। आपका उत्तर केवल सवाल से संबंधित होना चाहिए।

वास्तुशास्त्र में रसोईघर की दिशा को क्यों मिलती है अहमियत ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 23 फ़रवरी , वास्तु शास्त्र न सिर्फ हमारी परेशानियां कम करता है बल्कि जीवन में सुख-समृद्धि भी लाता है। किचन भी घर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसे मां अन्नपूर्णा का स्थान भी कहा जाता है, इसलिए ये पवित्र भी है। घर के इस हिस्से का वास्तु सम्मत होना बहुत जरूरी है, नहीं तो इसके बुरे परिणाम भी हो सकते हैं। कुछ छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखा जाए तो किचन को वास्तु सम्मत बनाया जा सकता है। आगे जानिए कुछ ऐसी ही वास्तु टिप्स के बारे में...

घर में कहां होना चाहिए किचन ?

वास्तु शास्त्र के अनुसार, किचन हमेशा घर की दक्षिण-पूर्व दिशा यानी आग्नेय कोण में होना चाहिए। किचन अग्नि से संबंधित है इसलिए यदि ये आग्नेय कोण में होगा तो यहां पकाया गया भोजन सभी के लिए पौष्टिक और एनर्जी देने वाला रहेगा। इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखें कि किचन कभी भी ईशान कोण में न हो और न ही शौचालय के नजदीक हो। इससे अशुभ परिणाम मिलते हैं।

किचन में कहां रखें चूल्हा ?

किचन में चुल्हा दक्षिण-पूर्व दिशा में रखना चाहिए, जिससे कि खाना बनाते समय आपका मुख पूर्व दिशा की ओर रहेगा। किचन की पूर्व दिशा की दीवार में एक खिड़की भी जरूर होनी चाहिए, जिससे सुबह की रोशनी किचन में आ सके। वास्तु के अनुसार पूर्व दिशा पॉजिटिविटी और ग्रोथ को रिप्रजेंट करती है। सुबह की रोशनी किचन में आने से यहां का वातावरण सकारात्मक रहेगा।

कहां रखें पीने का पानी और फ्रीज ?

किचन में जहां पीने का पानी रखा जाता है, वो स्थान भी काफी महत्वपूर्ण माना गया है। किचन में पानी उत्तर-पश्चिम दिशा में रखना चाहिए, क्योंकि यह दिशा जल तत्व से जुड़ी मानी जाती है। अगर किचन में फ्रीज रखना हो तो ये दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखें क्योंकि ये दिशा पृथ्वी तत्व से जुड़ी है। इन बातों का ध्यान रखने से किचन काफी हद तक वास्तु सम्मत बना रहता है।

किचन में कहां लगवाएं बिजली के स्विच ?

किचन में बिजली के स्विच कहां लगवाएं, इस बात का भी विशेष तौर पर ध्यान रखना चाहिए। चूंकि बिजली भी एक तरह से अग्नि से ही संबंधित है, इसलिए बिजली का बोर्ड दक्षिण-पूर्व दिशा यानी आग्नेय कोण में लगवाएं। संभव हो तो बिजली से जुड़े उपकरण जैसे टोस्टर, मिक्सर ग्राइंडर आदि भी इसी दिशा में रखें।

ITI और पॉलीटेक्नीक कर चुके युवा भी बन सकेंगे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 23 फ़रवरी , सेना में भर्ती के लिए केंद्र की एनडीए सरकार द्वारा लाई गई अग्निपथ स्कीम में बड़ा बदलाव हुआ है। सेना ने इसके नियमों में बदलाव कर आईटीआई और पॉलिटेक्निक पास को भी आवेदन की अनुमति दी है।

सेना की तरफ से अग्निपथ भर्ती प्रक्रिया में भाग लेने के लिए योग्यता नियमों में बदलाव किया गया है। अब आईटीआई और पॉलिटेक्निक करने वाले भी टेक्निकल ब्रांच के लिए आवेदन कर सकेंगे। इस बदलाव के बाद सेना में और अधिक युवा आवेदन कर सकेंगे। नियमों में बदलाव के बाद व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों और कुशल उम्मीदवारों को विशेष प्रोत्साहन दिया जाएगा क्योंकि इससे ट्रेनिंग में लगने वाले समय को कम करने में मदद मिलेगी। इन बदलावों से उम्मीद है कि और ज्यादा उम्मीदवार अग्निपथ के तहत सेना में भर्ती हो सकेंगे।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उत्तराखण्ड संस्कृत अकादमी की शासी निकाय की प्रथम बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 23 फ़रवरी। मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु की अध्यक्षता में गुरुवार को सचिवालय में उत्तराखण्ड संस्कृत अकादमी की शासी निकाय की प्रथम बैठक आयोजित हुई। बैठक में संस्कृत भाषा के उत्थान के लिए अकादमी द्वारा किए जा रहे कार्यों पर चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि संस्कृत भाषा के व्यापक प्रचार प्रसार के लिए अन्य राज्यों द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं बेस्ट प्रैक्टिसेज का अवलोकन कर उनको भी प्रदेश में लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि छात्र छात्राओं के मध्य संस्कृत गान आदि प्रतियोगिताओं का अधिक से अधिक को आयोजन किया जाए। साथ ही, प्रशिक्षण एवं कार्यशालाओं का भी अधिक से अधिक आयोजन करते हुए इसमें छात्र छात्राओं के साथ ही आचार्यों का भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाए।

बैठक में सचिव चंद्रेश यादव ने बताया कि उत्तराखण्ड संस्कृत अकादमी द्वारा विश्वभर में उपलब्ध संस्कृत अभिलेखों को एकत्रित कर पुस्तकालय एवं अभिलेखागार बनाकर संस्कृत साहित्य के परिवद्र्धन एवं शोध को प्रोत्साहित करने का काम किया जा रहा है। साथ ही संस्कृतमय वातावरण के निर्माण हेतु मंडल स्तरीय, जनपद स्तरीय एवं राज्य स्तरीय विविध संस्कृत प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं।

इस अवसर पर निदेशक संस्कृत शिक्षा एवं सचिव उत्तराखण्ड संस्कृत अकादमी एस. पी. खाती सहित अन्य अधिकारी एवं अधिशासी निकाय के सदस्य उपस्थित थे।

मुख्य सचिव ने ली प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना की राज्य स्तरीय क्रियान्वयन समिति की 20वीं बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 23 फ़रवरी।मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु की अध्यक्षता में गुरुवार को प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना की राज्य स्तरीय क्रियान्वयन समिति की 20वीं बैठक संपन्न हुई। इस अवसर पर मुख्य सचिव ने कहा कि स्कूली बच्चों को शिक्षा के साथ पोषण भी मिल सके इसके लिए योजना का सोशल ऑडिट के साथ ही स्थानीय लोगों से फीडबैक लेना भी आवश्यक है। उन्होंने विद्यालयों हेतु गठित निरीक्षण समितियों द्वारा अनुश्रवण सुनिश्चित किए जाने के भी निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने स्कूलों के किचन और खाने के बर्तन-थालियों आदि आवश्यक वस्तुओं के लिए कॉर्पस फंड भी बनाए जाने हेतु अधिकारियों को निर्देश दिए। कहा कि स्कूली बच्चों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता का भी विशेष ध्यान रखा जाए। साथ ही, उन्होंने प्रधानमंत्री पोषण में मिलेट्स को शामिल करते हुए झंगोरे की खीर को मिड डे मील में शीघ्र शुरू किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूलों में किचन एवं स्टोर आदि की मरम्मत का कार्य शीघ्र शुरू किया जाए। कहा कि जो भवन अधिक क्षतिग्रस्त हैं, उनका प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत कार्य सुनिश्चित किया जाए।

बैठक के दौरान प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत श्रीनगर, जनपद पौड़ी गढ़वाल में अक्षय पात्र फाउंडेशन द्वारा केंद्रीयकृत किचन के निर्माण को स्वीकृति दी गई।

इस अवसर पर विधायक सहदेव पुंडीर, सचिव रविनाथ रमन, महानिदेशक विद्यालयी शिक्षा बंशीधर तिवारी सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

डीएम सोनिका की अध्यक्षता में हुई जिला योजनाओं की प्रगति समीक्षा बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 23 फ़रवरी।जिलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में जिला योजना/राज्य योजना/केन्द्र पोषित/वाह्य सहायतित योजनाओं में विभागों द्वारा की गई प्रगति की समीक्षा की गई। जिला योजना में प्रथम, द्वितीय एवं किस्त में अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष 78.45 प्रतिशत, राज्य सेक्टर में 77.84 प्रतिशत, केन्द्र पोषित योजनाओं में 87.40 प्रतिशत तथा वाह्य सहायतित योजनाओं में 56.39 प्रतिशत धनराशि का व्यय किया गया तथा सभी मदों में अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष 80.21 प्रतिशत धनराशि का व्यय किया गया। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि प्राप्त धनराशि को शत-प्रतिशत व्यय करते हुए उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना सुनिश्चित करेंगे।

जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देश दिए कि जिला योजना में 80 प्रतिशत से कम प्रगति वाले विभागों की अलग से बैठक बुलाते हुए प्रगति की समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने राज्य सेक्टर में 75 प्रतिशत से कम प्रगति पर समाज कल्याण, उद्यान, पंचायतीराज, वन विभाग, पेयजल संस्थान, आदि विभागों के अधिकारियों को शत-प्रतिशत प्रगति बढाने के निर्देश दिए। बीस सूत्रीय कार्यक्रम में डी श्रेणी में आने वाले विभागों पर नाराजगी जाहिर करते हुए प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने केन्द्र पोषित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए 80 प्रतिशत से कम प्रगति वाले विभागों लोनिवि विभाग, कृषि, पंचायतीराज विभाग को शत-प्रतिशत प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिला योजना में आवंटित बजट को व्यय करने तथा जर्जर स्कूलों भवनों मरम्मत कार्य करने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुश्री झरना कमठान, परियोजना निदेशक ग्राम्य विकास अभिकरण आर सी तिवारी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी शशिकांत गिरी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 संजीव जैन, पर्यटन विकास अधिकारी जसपाल चैहान, सहायक निदेशक सूचना बी.सी नेगी, महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र अंजली रावत, अपर संख्याधिकारी राजीव शर्मा, लो.नि.वि, सिंचाई, जल संस्थान, समाज कल्याण, उरेडा, कृषि आदि संबंधित विभागों के अधिकारी कार्मिक उपस्थित रहे।

डीएम सोनिका ने की प्रस्तावित जी-20 कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 23 फ़रवरी। जिलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता ने अपने ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में संबंधित अधिकारियों के साथ माह मई-जून 2023 में प्रस्तावित जी-20 कार्यक्रम की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं के संबंध में बैठक लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में एमडीडीए के अधिकारियों ने प्रजेन्टेशन के माध्यम से कार्ययोजना के बारे में जानकारी दी गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने लोनिवि, एनएच के अधिकारियों को निर्धारित यात्रा रूट पर अतिक्रमण चिन्हित करते हुए अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही करने तथा एमडीडीए को फसाड एवं सौन्द्रयकरण कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही चिन्हित वैकल्पिक रूट पर भी अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही के साथ ही सौन्द्रयकरण कार्य समय से किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागों यथा लोनिवि, दूरसंचार निगम, वन विभाग एवं विद्युत विभाग के अधिकारियों को संयुक्त रूप से अतिक्रमण चिन्हित करते हुए अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही करें। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करते हुए अपने-अपने विभागों से संबंधित की जाने वाली कार्यवाही/व्यवस्थाओं को समय से पूर्ण करने को निर्देशित किया। उन्होंने वाहनों की व्यवस्था, साज-सज्जा, स्ट्रीट लाईटें आदि कार्यों को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने रेखीय विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करते हुए व्यवस्था समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए साथ ही लोनिवि, एनएच एवं एमडीडीए, नगर निगम, नगर पालिका, पयर्टन आदि संबंधित विभागों के अधिकारियों को सौपें गए दायित्वों को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में डीआईजी/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दलीप सिंह कुंवर, मुख्य विकास अधिकारी सुश्री झरना कमठान, प्रभागीय वनाधिकारी देहरादून नितिश मणी त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 एस के बरनवाल, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व के.के मिश्रा, पुलिस अधीक्षक नगर सरिता डोभाल, उपजिलाधिकारी युक्ता मिश्रा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी संजीव जैन, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी अरविन्द पाण्डे, सहायक निदेशक सूचना बी.सी नेगी, मुख्य कृषि अधिकारी लतिका सिंह, अधि0 अभि0 लोनिवि धीरेन्द्र, जिला पर्यटन विकास अधिकारी जसपाल सिंह चैहान सहित एमडीडीए, एनएच, नगर निगम सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

उत्तराखंड में बढ़े सर्किल रेट पर मंत्री सुबोध उनियाल ने गिनाये फायदे

सर्किल रेट मे वृद्धि से विकास गति के साथ मिलेगा उचित मुआवजा : सुबोध उनियाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 23 फ़रवरी। कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने जमीनों के सर्किल रेट मे संशोधन को जन हित मे उचित बताते हुए कहा कि कोविड के बाद हुई वृद्धि से न केवल राजस्व वृद्धि होगी, बल्कि इससे विकास कार्यो को गति मिलेगी और काश्तकारों को भी भूमि का उचित मुआवजा मिलेगा। साथ ही क्रेता को वित्तीय संस्थानों और बैंको से तदनुरूप वित्त पोषण हो सकेगा।उन्होंने कहा कि सर्किल रेट संशोधन मे सभी पहलुओं का पूरा होमवर्क किया गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2020 और वर्ष 2021 में कोविड महामारी के चलते सर्किल दरों को पुनरीक्षित नहीं किया गया। वर्ष 2022 में विकासात्मक गतिविधियां तीव्र होने के पश्चात सम्पत्तियों के क्रय-विक्रय में वृद्धि होने के साथ-साथ उनके सम्पत्ति के मूल्य में वृद्धि हुई। सर्किल दरों को पुनरीक्षित करने में अनौपचारिक बाजारी सर्वे जैसे कि तहसीलदार, नगर आयुक्त, अधिशासी अधिकारी आदि की रिपोर्ट, रियल स्टेट पोर्टल पर प्रख्यापित दरें, अधिक मूल्य पर पंजीकृत विलेखों के औसत के आधार पर प्राप्त दर, तहसील जनपद स्तर पर व्यावसायिक गतिविधियों, अंर्तजनपदीय सीमाओं पर स्थित समतुल्य विकासात्मक दशाओं तथा नई टाउनशिप प्रोजेक्ट, प्रस्तावित राजमार्ग,/ बाईपास आदि तथ्यों के अतिरिक्त जीआईएस मैपिंग आधारित अध्ययन का भी विश्लेषण किया गया। राज्य में कुल 49000 (86 प्रतिशत) क्षेत्रों में वृद्धि प्रतिशत 50 प्रतिशत से कम है. 5200 (9 प्रतिशत) क्षेत्रों में वृद्धि प्रतिशत 51-100 प्रतिशत के मध्य है तथा शेष 2832 (5 प्रतिशत) क्षेत्रों में वृद्धि प्रतिशत 100 प्रतिशत से अधिक है।

राज्य में 22912 कृषि क्षेत्रों के अंतर्गत 87 प्रतिशत क्षेत्रों में दरों की वृद्धि 50 प्रतिशत से कम है और इन क्षेत्रों में औसत प्रतिशत वृद्धि 32.47 प्रतिशत है। अकृषि क्षेत्र राज्य में 34082 अकृषि क्षेत्रों में से 85 प्रतिशत क्षेत्रों में दरों की वृद्धि 50 प्रतिशत कम है और इन क्षेत्रों में औसत प्रतिशत वृद्धि 34.83 प्रतिशत है। राज्य में उक्त वृद्धि 03 वर्ष के अंतराल पर की गई है। राजस्व को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से एवं भूमि की बाजारी मूल्य में औसत वार्षिक वृद्धि को न्यूनतम 10 प्रतिशत की दर से लेते हुए सम्पूर्ण प्रदेश के 85 प्रतिशत क्षेत्रों में वृद्धि अधिकतम 10 प्रतिशत प्रति वर्ष तक है तथा औसत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) की दर 7 प्रतिशत प्रति वर्ष को सम्मिलित करते हुए 17 प्रतिशत प्रति वर्ष है। पर्वतीय जनपदों के कृषि एवं अकृषि क्षेत्रों में औसत प्रतिशत वृद्धि 5 प्रतिशत प्रति वर्ष से कम है. जो कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) से भी कम है। उल्लेखनीय है कि सर्किल दरों में विसंगति दूर करने के लिए 48 पर्वतीय क्षेत्रों में 40 प्रतिशत तक की कमी की गई है एवं सम्पूर्ण प्रदेश में 658 यूनिट ईकाईयों में कोई वृद्धि प्रस्तावित नहीं की गई है।

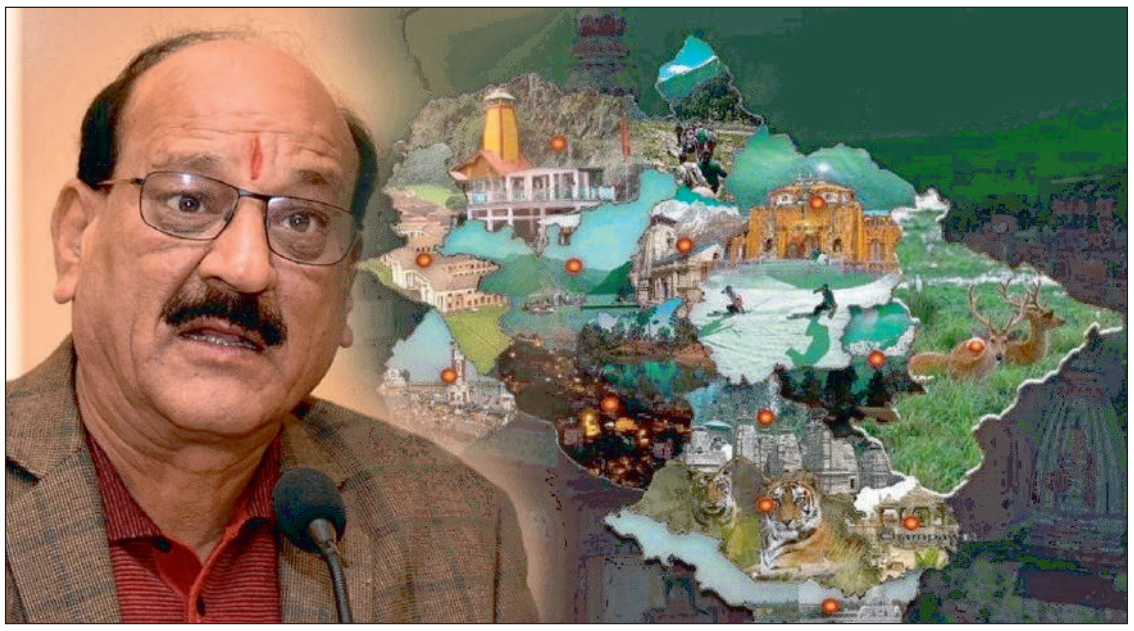

जनपद अल्मोड़ा के गरकोट, लोहेडा रीठा, कुनियाल गाव आदि कुल 47 क्षेत्रों के सर्कल रेट में 46 प्रतिशत तक की कमी की गयी है अर्थात 49 लाख से घटाकर 25 लाख प्रति हेक्टर की गयी है। जनपद देहरादून के विकासनगर के भलैर, पपडियान बावनधार, मदर्स एवं मटोगी आदि क्षेत्रों में कोई वृद्धि नहीं की गयी है। जनपद नैनीताल के डोली गांव जसपुरिया लाईन कसेरा लाईन खन्सय काला आगर आदि 33 क्षेत्रों में 10 प्रतिशत से कम वृद्धि की गयी है। जनपद हरिद्वार के रोशनाबाद-बिहारीगढ़ मार्ग पर सर्किल रेट में कोई वृद्धि नहीं की गयी है। हरिद्वार के अब्दुल हसनपुर अलमासपुर की दर 1300 से 1350 प्रति वर्ग मी० सलेमपुर बवाल 3350 से 3500 प्रति वर्ग मी० तानपुरा में 18000 से 10000 प्रति वर्ग भगवानपुर बजार मे खुर्द अलमासपुर इत्यादि 13 वृद्धि 10 प्रतिशत से भी कम है।

जनपद चमोली में बी एवं अन्य 626 क्षेत्र में वृद्धि 10 प्रतिशत से भी कम है। जनपद मे दानकोट कोटबासी धारको नरकोट जरी कोठीपाडा आदि कुल 200 क्षेत्री मे वृद्धि 10 प्रतिशत से भी कम है। जनपद के जनपद देहरादून के विकास नगर में इटावा आडिया डोईवाल जनपद हरिद्वार में एईएस रोड एवं जनपद नैनीताल के माल रोड के किनारे) क्षेत्रा में 50-100 प्रतिशत तक वृद्धि की गयी है। जनपद देहरादून के गुनियाल गांद जनपद हरिद्वार के बहादराबाद जनपद उपमहनगर के किच्छा में एम्स / पराग फॉम इण्डस्ट्रीयल पार्क एवं जनपद नैनीताल के सत्बुमा क्षेत्रों में 100 प्रतिशत से अधिक वृद्धि की गयी है। इन क्षेत्रों में विकास गतिविधियां जैसे कि नई टाउन शिप, प्रस्तावित नेशनल हाइवे रिंग रोड रेल परियोजनाएं एवं औद्योगिक विकास आदि के भी होने एवं औपचारिक बाजारी एवं रियल स्टेट पोर्टल पर उच्च दरें उपनिबंधक कार्यालयों में राज्य मूल्य पर लेख पत्र पंजीकृत होने के दृष्टिगत सर्किल दरी का पुनरीक्षण किया गया है।उन्होंने कहा की सर्किल दरों के पुनरीक्षण से राजस्व वृद्धि के अतिरिक्त काश्तकारों की मुआवजा राशि में वृद्धि होगी और भू स्वामी को उचित दाम प्राप्त होगा। गृह स्वामी / व्यवसायियों एवं निवेशकों को वित्तीय संस्थाओं से समुचित वित्त की प्राप्ति होगी, जिससे विकास को गति मिलेगी एवं सर्किल दरों और प्रचलित वास्तविक बाजार दरों में अंतर को कम करने से रियल स्टेट में काले धन के प्रवाह को रोकने में सहायता प्राप्त होगी।

वन विभाग अधिकारियों ने सुनी वन गुर्जरों की समस्याएं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रपुर, 23 फ़रवरी।बाराकोली रेंज के अफसरों ने वन गुज्जरों के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान वन गुज्जरों ने मूलभूत जरूरतें सडक़, बिजली, शिक्षा की समस्याएं प्रमुखता से रखीं। उन्होंने कहा बरसात के दिनों में उनका परिवार रास्ता नहीं होने के कारण वनों में ही रहने को विवश रहता है। पीने का साफ पानी नहीं मिलने से पेट के रोग हो जाते हैं। स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल पाती है। आवागमन बंद होने से उनके बच्चे स्कूल तक नहीं जा पाते हैं। उन्होंने वन गुर्जरों के झाले वाले मार्गों में पुलियों का निर्माण कराने की मांग की। वन गुर्जरों ने बताया कि वनकुईया के नजदीक गुर्जर बस्ती में लाइट नहीं है। गुर्जर बस्ती में लाइट लगाने के लिए 25 विद्युत पोल की मांग की गई। उन्होंने भरोसा दिया कि वनों में अग्नि से सुरक्षा के लिए वह वन विभाग के कर्मचारियों का पूरा सहयोग करेंगे। डिप्टी रेंजर धीरेंद्र कुमार पंत ने वन गुज्जरों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं को उच्चाधिकारियों को बताकर समाधान कराया जायेगा। यहां हेमचंद नेगी, अनिल कुमार, राजेंद्र सिंह, जितेंद्र यादव, मोनिका, सोनी, स्वाति चौहान, वन गुर्जर गुलाम नबी, अकबर अली, अली जान, इरफान, जुल्फिकार अली, दीपक अग्रवाल रहे।

प्रदेश में नर्स व एएनएम को किया जाएंगे नियमित : डॉ. रावत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हल्द्वानी, 23 फ़रवरी। प्रदेश में कार्यरत नर्स और एएनएम को नियमित किया जाएगा। यह बात गुरुवार को हल्द्वानी में स्वास्थ्य संवाद कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कही। रामपुर रोड स्थित एक होटल में हुए कार्यक्रम में डॉ. रावत ने स्वास्थ्य संवाद के जरिए जिले के पर्वतीय और मैदानी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने के लिए सुझाव मांगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर जिले में स्वास्थ्य संवाद कार्यक्रम किए जा रहे हैं। इसके जरिए जनता को स्वास्थ्य सेवाओं में आ रही परेशानियों को दूर करने के सुझाव मांगे जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के इतिहास में स्वास्थ्य क्षेत्र में इतना काम नहीं हुआ जितना इस सरकार में हो रहा है। 6.5 लाख से अधिक लोगों का आयुष्मान कार्ड के जरिए इलाज, 265 तरह की जांचें, निशुल्क डायलिसीस की सुविधा दी गई है। सरकारी अस्पतालों में 311 जांच निशुल्क की जा रही हैं। इसका अभी तक 28 लाख रोगी लाभ ले चुके हैं। उन्होंने कहा कि राजकीय मेडिकल कॉलेज के बांड तोडऩे वाले डाक्टरों पर कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. रावत ने कहा कि राज्य के सरकारी मेडिकल कॉलेजों को 171 चिकित्सक मिले हैं। जल्द ही 372 एमबीबीएस डॉक्टर नियुक्त किए जाएंगे। इसके अलावा जल्द ही 850 एएनएम व 2,800 नर्सों की नियमित नियुक्ति की जाएगी।

पुरानी पेंशन बहाली के लिए बजे ढोल नगाड़े

चम्पावत। बाराकोट में पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर बाजार में एनएमओपीएस ब्लॉक इकाई ने ढोल नगाड़ों के साथ शिक्षकों और कर्मचारियों को जागरुक किया। कर्मचारियों ने उन्होंने 26 फरवरी को हल्द्वानी में आयोजित होने वाली रैली में कार्मिकों को अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करने की अपील की। बाराकोट बाजार में उत्तरांचल पर्वतीय कर्मचारी शिक्षक संगठन के जनपद अध्यक्ष और एनएमओपीएस के संरक्षक नगेंद्र जोशी ने कहा कि सरकार जब तक पुरानी पेंशन बहाल नहीं कर देती। तब तक वे डटे रहेंगे। प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद बोहरा ने प्रदेश सहित पूरे जनपद के शिक्षकों और विभिन्न विभागीय कर्मियों से 26 फरवरी को हल्द्वानी पर होने वाली महारैली में प्रतिभाग करने की अपील की।

भाकिमों ने किया अधिशासी निदेशक को किया सम्मानित

ऋषिकेश, 23 फ़रवरी। भाजपा से जुड़े गन्ना किसानों ने डोईवाला चीनी मिल में अधिशासी निदेशक डीपी सिंह से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने त्वरित गन्ना भुगतान पर खुशी जाहिर की। किसान मोर्चा प्रभारी राजेंद्र सिंह तडियाल ने कहा कि प्रदेश सरकार और अधिशासी निदेशक का विरोध करने वाले लोग गुमराह हैं। कांग्रेस कार्यकाल में पेराई सत्र का दूसरा सीजन शुरू होने के बाद गन्ना मूल्य भुगतान किया जाता था, लेकिन अब भुगतान अतिशीघ्र किया जा रहा है। बीते साल भी गन्ना किसानों का भुगतान मिल बंद होने के दो महीने में ही कर दिया गया था। कहा कि विरोध करने वालों की मानसिकता सिर्फ विरोध करने तक ही सीमित है। मोर्चे के मंडल अध्यक्ष गब्बर सिंह बिष्ट ने मिल अधिकारियों और सरकार का विरोध करने वालों को सियासी लोग बताया। इस दौरान उन्होंने अधिशासी निदेशक को सम्मानित भी किया। मौके पर ईश्वर चंद्र अग्रवाल, ओमप्रकाश कांबोज, मनिंदर सिंह, बलजीत सिंह सोढ़ी भारत गुप्ता रविंद्र बेलवाल, कृष्णा तडियाल पूनम तोमर आरती लखेडा, अवतार सिंह और हरविंदर सिंह आदि मौजूद रहे।

बच्चों को भी होता है गठिया, जानिए इसके लक्षण, कारण और बचाव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 24 फ़रवरी , गठिया का नाम सुनते ही हमारे दिमाग में बुजुर्गों को होने वाली बीमारी है, यो ख्याल सबसे पहले आता है। लेकिन जरूरी नहीं है कि गठिया सिर्फ बुजुर्गों को ही हो। आधुनिक समय में लोगों के बदलते खानपान, रहन-सहन की वजह से वयस्कों और बच्चों को भी गठिया की परेशानी होने लगती है। बात अगर बच्चों की कि जाए, तो बच्चों को होने वाली गठिया की परेशानी को जुवेनाइल इडियोपैथिक अर्थराइटिस के नाम से जाना जाता है। सबसे बड़ी बात है कि इस गठिया की समस्या को लेकर अधिकतर लोग अनजान हैं। इसलिए शायद कम ही लोगों को पता हो कि बच्चों को भी गठिया की समस्या हो सकती है।

जुवेनाइल इडियोपैथिक अर्थराइटिस के स्पष्ट कारणों के बाते में फिलहाल अधिक जानकारी उपलब्ध नहीं है। हालांकि, कुछ रिसर्च और रिपोर्ट्स द्वारा बताया गया है कि इस अर्थराइटिस का कारण आनुवंशिकी (बीमारी विरासत में मिल सकती है) हो सकता है। इसके अलावा कुछ संक्रमण और पर्यावरणीय कारणों की वजह से भी बच्चों को अर्थराइटिस की परेशानी हो सकती है, जो अधिकतर कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले बच्चों को अधिक प्रभावित करती है।

जुवेनाइल इडियोपैथिक अर्थराइटिस के लक्षण

बच्चों में होने वाली अर्थराइटिस की परेशानी काफी रेयर है। ऐसे में इसके लक्षणों पर अधिकतर लोग ध्यान नहीं देते हैं। इसलिए अगर आपके परिवार में किसी को अर्थराइटिस की परेशानी है, तो अपने बच्चों के लक्षणों पर भी जरूर ध्यान दें। आइए जानते हैं बच्चों में अर्थराइटिस के लक्षण क्या होते हैं?

जोड़ों में सूजन, दर्द और सेंसेशन सा महसूस होना। अर्थराटिस से ग्रभावित ज्वाइंट्स में गर्माहट महसूस होना। सुबह के समय जोड़ों में काफी टाइट-टाइट का सा महसूस होना। बच्चों का लंगड़ा कर चलना। अधिक या फिर सामान्य तामपान का बुखार आनाबिना वजह खरोंच आनाथकान और चिड़चिड़ापन काफी ज्यादा बढ़नाकाफी तेजी से बच्चे का वजन गिरनालसीका ग्रंथियों (lymph nodes) में सूजन आना।आंखों में दर्द, लालिमा और धुंधली दृष्टि होना, इत्यादि।

बच्चों में अर्थराइटिस की समस्या होने पर उनकी आंखें खराब हो सकती है। साथ ही उनका विकास दर भी कम हो सकता है। ऐसे में अगर आपको बच्चों के शरीर में इस तरह के लक्षण दिखे तो तुरंत डॉक्टरी सलाह लें।

जुवेनाइल इडियोपैथिक अर्थराइटिस के बचाव के टिप्स जुवेनाइल इडियोपैथिक अर्थराइटिस का जड़ से इलाज संभव नहीं है। ऐसे में इस परेशानी के लक्षणों को कम करने के लिए कई तरीके अपनाएं जाते हैं, जो निम्न हैं।डॉक्टर दर्द, सूजन और रेडनेस कम करने वाली दवाएं लिखते हैं, जिसे आप नियमित रूप से लें।बच्चों के जोड़ों को लचीला बनाने के लिए आप उन्हें रोजाना एक्सरसाइज कराएं। जोड़ों और मांसपेशियों को मजबूत करने वाले आहार औप सप्लीमेंट्स दें। लाइफस्टाइल को हेल्दी बनाने की कोशिश करें। जुवेनाइल इडियोपैथिक अर्थराइटिस बच्चों में होने वाली गठिया की समस्या है। इसका सटीक इलाज उपलब्ध नहीं है। ऐसे में इसके लक्षणों को पहचानकर बच्चे का तुरंत इलाज कराएं, ताकि इसकी गंभीरता को कम किया जा सके।

बरसाना लट्ठमार होली : गोरी के गाल लाल करने को कान्हा की नगरी तैयार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 23 फ़रवरी , होली करीब है लेकिन मथुरा की गलियों में रंगों की उमंग शुरू हो चुका है। आज बात कान्हा की नगरी की करेंगे जहां बरसाना की विश्व प्रसिद्ध लट्ठमार होली को लेकर काफी हर्षोल्लास का माहौल नजर आ रहा है। वैसे तो बसंत पंचमीसे ही 40 दिवसीय होलीकी धूम शुरू है लेकिन ये जोश अब बढ़ता जा रहा है।

विश्व प्रसिद्ध लट्ठमार होली को लेकर बरसाना के सभी प्रतिष्ठानों के दुकान स्वामियों में काफी हर्षोल्लास का माहौल नजर आ रहा है। वैसे तो बसंत पंचमी से ही 40 दिवसीय होली (Holi) की धूम शुरू हो जाती है, जबकि दुकानदार का कहना है कि 40 दिन पहले से ही प्रतिष्ठानों पर ऑर्डर लगने शुरू हो जाते हैं और हम लोग 40 दिन के अंदर करीब 250 से 300 पारंपरिक परिधान तैयार कर देते हैं जो कि होली (Holi) तक हम लोगों का इसी प्रकार से कार्य चलता रहता है। स्थानीय होलियारे बताते हैं कि पारंपरिक परिधानों में धोती कुर्ता बगल बंदी सिर की पगड़ी भी तैयार की जाती हैं। लठमार होली वाले दिन स्वयं श्याम श्यामा जी होली खेलने के लिए जब तैयार होती हैं तो तरह-तरह की पोशाक बदली जाती हैं, जिसमें कई रंग और गुलाल भी डाल जाता है तो दूसरी ड्रेस धारण की जाती है।

सूरत से मंगाया जाता है राधा रानी की पोशाक का कपड़ा

दुकानदारों का भी जोश देखते बनता है जो राधा रानी की पोशाक तैयार करने के लिए कपड़ा सूरत से मंगाते हैं। करीब 2 दिन में एक पोशाक तैयार हो पाती है, जिसमें वो अपनी तैयारियां बसंत पंचमी से ही शुरू कर देते हैं। वहीं राधा रानी मंदिर सेवायत ने जानकारी देते हुए बताया कि परंपरा है जो वेशभूषा है वह धोती कुर्ता बगल बंदी और पगड़ी है, जिसको हर होली पर नए-नए बनवा कर के होली खेलने के लिए धारण करते हैं। दुकानदारों ने बताया कि होली पर परिधानों का विशेष महत्व होता है। जैसे हम धारण करते हैं हमारे श्याम श्यामा जुगल सरकार भी बगल बंदी जामा हमारे सनातन धर्म में जो पूजा का अधिकार होता है। जब पूजा करते हैं तो ऐसा वस्त्र धारण करते हैं कि दोनों बाजुओं में होकर पहना जाता है

आपदा को अवसर " में बदलने वाले नेपाली चोरों को जोशीमठ पुलिस ने धर दबोचा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली , 23 फ़रवरी , एक तरफ जहाँ जोशीमठ भू धंसाव और आपदा के दर्द से कराह रहा है वहीँ बेशर्म लुटेरे ज़ख्मों पर गुनाह का नमक रगड़ रहे हैं। आपको बता दें कि विभिन्न प्रभावित परिवारों को प्रशासन के द्वारा नगर पालिका जोशीमठ ,गुरुद्वारा जोशीमठ व विभिन्न होटालों में अस्थाई रूप से ठहराया गया था और प्रभावित लोगों से आपदा से क्षतिग्रस्त मकान खाली करवाए गए थे।

माउंट व्यू होटल के नीचे स्थित कॉलोनी में बीते कुछ दिनों से देर रात खाली मकानों से बिजली के तार स्विच बोर्ड, पानी की टोंटी जैसे घरेलू सामान चोरी होने की खबर बाहर आने लगी जो लोगों के लिए हैरान करने वाली थी। इस पर जोशीमठ के पीड़ितों द्वारा शिकायत और लिखित प्रार्थना पत्र देकर शिकायत दर्ज़ कराई गयी थी। जिसमें बताया गया कि बंद घर का ताला तोड़कर किसी ने दो मोटर पानी की व पानी की टोंटी व दो गीजर चोरी कर लिया है। यही नहीं एक और पीड़ित ने बताया कि उनके भाई अजय रावत के बंद घर का ताला तोड़कर एक एल. ई. डी. टीवी वीडियोकॉन 32 इंच, दो पेट्रो मैक्स सिलिंडर बिजली के तार व स्विच बोर्ड चोरी हो गया है। पुलिस के लिए भी ये अनोखी घटना थी क्योंकि आपदा से पूरा इलाका पहले से ही परेशान है। लिहाज़ा कोतवाली जोशीमठ में केस दर्ज़ किया गया और शुरू हुई पुलिस की पड़ताल इन चोरी की घटनाओं के प्रभावी रोकथाम के लिए पुलिस अधीक्षक चमोली प्रमेन्द्र डोबाल ने भी तत्काल सख्ती से खुलासे की हिदायत दी और पुलिस उपाधीक्षक चमोली के और प्रभारी निरीक्षक जोशीमठ के निर्देशन में टीम गठित कर सटीक कार्यवाही करते हुए कुछ नेपाली मजदूरों पर लगातार निगरानी की जिसके बाद अब दो अभियुक्तों कम बहादुर जोशी और दीपक गिरी को थाना जोशीमठ पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार किया गया जो नेपाल के रहने वाले है। पुलिस ने इनके पास से चोरी का पूरा सामना भी बरामद कर लिया है।

पैसों को लेकर लड़ाई रिलेशन को बना देती है बोझ, जानिए वजह और उपाय

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 23 फ़रवरी , आज के समय में पुराने लोगों द्वारा कही इस बात में बिल्कुल भी सच्चाई नजर नहीं आती है। बल्कि अब तो पैसा हर रिश्ते और खुशी की पहली शर्त बन गया है। यहां तक कि हर सुख-दुख में साथ निभाने की कसम खाने वाले पति-पत्नी भी तब तक ही एक दूसरे पर प्यार लुटाते हैं, जब तक की जेब में पैसा हो। इसलिए आए दिन पार्टनर के बीच पैसे को लेकर विवाद होते रहते हैं, जो रिश्ते को वक्त के साथ बदत्तर बनाने लगता है। उन कपल्स की हालात और भी बूरा है, जहां कोई एक ही व्यक्ति कमाने वाला है।

हर जरूरत और शौक को पूरा करने के लिए पैसा सबसे जरूरी है। समय के साथ दोनों की ही लिस्ट लंबी होती जा रही है। पहले जहां जीवन का बेसिक आधार रोटी कपड़ा और मकान था। आज इसमें गाड़ी, मोबाईल, एसी जैसी चीजें भी शामिल हैं।हालांकि फाइनेंशियल प्रॉब्लम हर रिलेशनशिप में आती है। लेकिन इसे कहानी घर-घर की समझकर अपने रिश्ते पर इसके प्रभाव को अनदेखा करना आपको बहुत भारी पड़ सकता है। सबसे ज्यादा शादी पैसों पर विवाद के कारण ही टूटती हैं। ऐसे में आज हम आपको उन तरीकों को बता रहे हैं, जो रिश्ते से फाइनेंशियल इश्यू के प्रेशर को कम कर सकती है। साथ ही आपके बॉन्ड को मजबूत करती है।

इन कारणों से बढ़ता है कपल्स पैसे का प्रेशर

शादी के बाद सिर्फ दो लोग ही नहीं बल्कि दोनों की जिम्मेदारियां भी एक बंधन में बंधती हैं। इसमें खुद की खुशियों और ख्वाहिशों के साथ फैमिली के दूसरे मेंबर्स के खर्चे, लोन, बच्चों की पढ़ाई और उनसे जुड़े खर्चे शामिल होते हैं। कभी-कभी लोग दूसरों की बराबरी करने के लिए भी अपने क्षमता से ज्यादा खर्च करने लगते हैं, जिसका हर्जाना उन्हें आपसी मतभेद से चुकाना पड़ता है।यदि आप बार-बार पैसों से संबंधित जरूरी मुद्दों पर बात करने से चिढ़ने लगेंगे तो हो सकता है, आपका पार्टनर आपसे दोबारा इस बारे में बात करने से बचें। साथ ही आपका यह रवैया आपके पार्टनर को अपनी जरूरतें, शौक और भावनाओं को भी शेयर करने से रोक सकता है। ऐसे में कई बार लोग अकेल ही इन चीजों को हैंडल करने लगते हैं, जो रिश्तों में दूरी ला देता है।

बेहतर रिश्तों के लिए क्या करना चाहिए ?

सबसे पहली चीज जो आपको इस तरह की लड़ाई को दबाने के लिए करना चाहिए वह है अपने पार्टनर के साथ शांत और खुले दिमाग से बातचीत। ध्यान रहे कि जब आप फाइनेंशियल प्रॉब्लम पर बात करने के लिए बैठे तो अपने पार्टनर से बिना कुछ छुपाएं लोन, इनकम, खर्च और जरूरत पर बात करें। साथ ही अपने पार्टनर की भी बात को अच्छी तरह से सुने, और मिलकर नतीजे पर पहुंचे। हमेशा याद रखें कि रिलेशनशिप की बड़ी से बड़ी समस्या का हल है अपने पार्टनर के साथ बातचीत करना और साथ मिलकर निष्कर्ष पर आना।

अगर आप भी रहते हैं चिड़चिड़े - तो खाइये ये हैप्पी हार्मोनल फूड्स

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 23 फरवरी , क्या आपको लगातार चिड़चिड़ापन, खीझ, डिप्रेशन, मूड स्विंग जैसी समस्याएं परेशान करती हैं? चाहकर भी आप खुश नहीं रह पाते हैं? यदि हां, तो हो सकता है आपके शरीर में सेरोटोनिन हॉर्मोन की कमी हो गई हो. सेरोटोनिन को हैप्पी हॉर्मोन भी कहते हैं. सेरोटोनिन हॉर्मोन आपके मूड, नींद, भूख, याद्दाश्त से संबंधित कार्यों को कंट्रोल करने का काम करता है. एक प्रकार का ब्रेन केमिकल है सेरोटोनिन. इसकी कमी होने से मूड प्रभावित होता है, डिप्रेशन, तनाव का कारण बन सकता है. ट्रिप्टोफैन एक प्रकार के अमीनो एसिड से भरपूर खाद्य पदार्थ के सेवन से सेरोटोनिन प्रोडक्शन बढ़ता है, जिससे मूड बूस्ट होता है. न्यूट्रिशनिस्ट लवनीत बत्रा से जानें, कौन से वे फूड्स जो सेरोटोनिन की कमी को दूर कर सकते हैं....

केला - न्यूट्रिशनिस्ट लवनीत बत्रा ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करके बताया है कि केले में ट्रिप्टोफैन नामक अमीनो एसिड होता है. हमारा शरीर 5-एचटीपी का उत्पादन करने के लिए ट्रिप्टोफैन का उपयोग करता है. ये कम्पाउंड सेरोटोनिन और मेलाटोनिन को बनाता है. ये दोनों ही मूड और नींद को रेगुलेट करने वाले न्यूरोट्रांसमीटर हैं. नींद अच्छी आती है तो सारा दिन मूड सही रहता है और आप अच्छा महसूस करते हैं.बादाम - बादाम एक ऐसा ड्राई फ्रूट है, जिसमें ढेरों पोषक तत्व मौजूद होते हैं. फोलेट, मैग्नीशियम भी होते हैं. मैग्नीशियम के सेवन से शरीर में सेरोटोनिन का विकास होता है, जो आपके मस्तिष्क में खुशी की भावनाओं को उत्पन्न करने के लिए एक प्रमुख कंट्रीब्यूटर की तरह काम करता है. बादाम विटामिन बी2 और ई से भी भरपूर होते हैं, जो तनाव के समय में प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने में मदद करते हैं.

गाय का दूध - ए2 गाय के दूध में ट्रिप्टोफैन होता है, जो एक प्रकार का एमिनो एसिड होता है. यह सेरोटोनिन का उत्पादन करता है. यह नींद के पैटर्न और मूड को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. आप गाय का दूध का सेवन करके शरीर में सेरोटोनिन हॉर्मोन की कमी को दूर कर सकते हैं. इसके सेवन से आपको कई अन्य लाभ भी होंगे, जैसे हड्डियां भी मजबूत होंगी. शरीर में कैल्शियम की कमी दूर होगी.अनानास - इस फल में भी ट्रिप्टोफैन काफी होता है, जो मस्तिष्क में सेरोटोनिन को बढ़ावा देता है. इसके अतिरिक्त, अनानास में प्रोटीन ब्रोमेलेन होता है, जो शक्तिशाली एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होता है. अनानास खाने से आपका मूड बूस्ट होगा. शरीर में सेरोटोनिन की कमी दूर होती है.

अनानास सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है. यह इम्यूनिटी को बढ़ाता है. इंफ्लेमेशन को कम करता है... इसके अलावा आप सोया प्रोडक्ट्स का भी सेवन कर सकते हैं. इनमें भी ट्रिप्टोफैन होता है, जो शरीर में सेरोटोनिन लेवल को बढ़ाते हैं. टोफू का सेवन करें. यह कई अन्य स्वास्थ्य लाभों से भरपूर होता है. आप इन सभी फूड्स को खाकर अपने मूड को खुश रख सकते हैं.

पौड़ी SSP श्वेता चौबे के अभियान से उड़ रहे नशा तस्करों के होश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी , 23 फ़रवरी , मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड द्वारा वर्ष- 2025 तक उत्तराखण्ड को नशामुक्त ("ड्रग्स फ्री देवभूमि") बनाये जाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौडी गढ़वाल, श्वेता चौबे द्वारा जनपद में नशा, मादक पदार्थों एवं ड्रग्स की बढ़ती प्रवृति पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने व अवैध तरीके से नशीले पदार्थों का क्रय-विक्रय करने वालों के विरूद्ध चैकिंग अभियान चलाकर वैधानिक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। जिसके क्रम में शेखर सुयाल, अपर पुलिस अधीक्षक कोटद्वार, गणेश लाल कोहली पुलिस उपाधीक्षक कोटद्वार व पुलिस उपाधीक्षक ऑपरेशन कोटद्वार विभव सैनी के पर्यवेक्षण, प्रभारी निरीक्षक कोटद्वार मनीभूषण श्रीवास्तव व प्रभारी सीआईयू मौहम्मद अकरम के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत दौराने चैकिंग नशा तस्कर अभियुक्त रोहित नेगी को काशीरामपुर तल्ला कोटद्वार के पास से 20 ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया। जिस सम्बन्ध में अभियुक्त के विरूद्ध थाना कोटद्वार पर NDPS ACT के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। बरामद अवैध स्मैक की अन्तर्राष्ट्रीय कीमत लगभग 03 लाख रुपये है।

■ पौड़ी पुलिस ने लगभग ₹ 3 लाख की स्मैक के साथ एक नशा तस्कर किया गिरफ्तार

पूछताछ का विवरणः-अभियुक्त द्वारा पूछताछ में बताया कि मैंने दिनाँक 21.02.2023 को गंगापुर बरेली से स्मैक खरीदी थी, जिसको मैं कोटद्वार बेचने लाया था परन्तु कोटद्वार पुलिस ने मुझे पकड़ लिया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी की जनता से अपीलः-यदि किसी व्यक्ति को नशे के सम्बन्ध में कोई सूचना प्राप्त होती है कि कोई व्यक्ति नशे के कार्यों में संलिप्त रहता है या कोई किसी सार्वजनिक स्थान पर नशा कर रहा है तो उसकी सूचना मो0न0-7060470047 पर दें सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जायेगा।

राज्य में नासूर एवं कैंसर की तरह फैल रहे भर्ती घोटालों की सर्जरी करना बहुत जरूरी था : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 23 फ़रवरी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को राधा स्वामी सत्संग व्यास रुद्रपुर में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों एवं विद्यार्थियों द्वारा आयोजित हस्ताक्षर अभियान में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता एवं सुचिता को सुनिश्चित कराने के लिए राज्य में नकल विरोधी कानून लाये जाने पर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों एवं विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में सभी प्रतियोगी परीक्षाएं नकलविहीन होंगी, पारदर्शिता के साथ होंगी, आप अपनी परीक्षाओं की तैयारियां करें, हमारे भाई-बहनों का समय भी खराब नहीं होगा, भर्तियां कैलेण्डर के अनुसार होंगी'' लिखकर अपने हस्ताक्षर भी किये।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य में भर्ती घोटाले नासूर एवं कैंसर की तरह फैल रहा था, जिसकी सरजरी करना बहुत जरूरी था। इस बार कुछ छात्र-छात्राओं द्वारा वीपीडीओ भर्ती परीक्षा में भी पेपर लीक होने की आशंका जताई गई थी, जिसकी कराने पर प्रारम्भिक रूप से ये लगने लगा कि इस परीक्षा में गड़बड़ी हुई है। उन्होने कहा तभी से हमने तय किया कि यही नही हम पुरानी सभी भर्तियों की जांच करायेगें और हमने जांच का निर्णय लिया जिसमें जांच करने पर इस अपराध में जो संलिप्त थे वो 60 से भी ज्यादा लोग जेल जा चुके हैं।

उन्होंने कहा कि भर्ती परीक्षाओं में होने वाली गड़बड़ी को जड़ से खत्म करने के लिए हमने भारतवर्ष का सबसे सख्त कानून बनाया है जिसमें नकल कराने वाले व्यक्ति के लिए उम्र कैद तक का भी प्रावधान करने के साथ ही सारी सम्पत्ति जब्त करने का भी प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि जो अभ्यर्थी नकल करने में एक बार पकड़ा गया तो 03 साल तक अगर वह इसमें फिर से संलिप्त पाया जाता है तो अगले 10 वर्षो तक वह किसी परीक्षा में भाग नही ले सकता है और पूरे देश का सर्वाधिक सख्त कानून है। उन्होने कहा कि बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं, उनके भविष्य से कोई खिलवाड़ न करे उनकी उम्मीदों को ना तोड़े, इन सभी बातों पर गहनता से विचार करते हुए हमने ये नकल विरोधी सख्त कानून बनाया।

मुख्यमंत्री ने कहा गरीब माता-पिता अपने बच्चे को पढ़ाने के लिए अपनी सारी जमा पूँजी लगा देते है, अगर उस पर ही ऐसी डकैती हो जायेगी तो उन माता-पिता के पास क्या बचेगा। उन्होने कहा कि हमारे पास संसाधनों का आभाव होते हुए भी हमारे बच्चे और हमारे युवा बेरोजागार भाई-बहनों को मिलने वाली नौकरियों में हम कोई कटोती नही करेंगे, चाहे अन्य संसाधनों में कटौती करनी पड़े। उन्होंने कहा कि भर्ती परीक्षाओं का केलेण्डर जारी कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि भर्तियां पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता से नकलविहीन सम्पन्न होंगी, जिससे पात्र व्यक्तियों का चयन होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दिनों सम्पन्न हुई पटवारी एवं लेखपाल भर्ती परीक्षा में एक लाख तीन हजार अभ्यर्थी शामिल हुए थे, जिनके आने-जाने हेतु मुफ्त यात्रा सुविधा दी गई थी। उन्होंने कहा कि पीसीएस की शुरू हो रही मुख्य परीक्षाओं में भी उत्तराखण्ड परिवहन निगम की बसों में निशुल्क यात्रा की व्यवस्था की है। इस दौरान विधायक शिव अरोरा, मेयर रामपाल सिंह, पूर्व विधायक राजेश शुक्ला, भाजपा प्रदेश मंत्री विकास शर्मा, जिलाध्यक्ष कमल जिन्दल, सहित आईजी नीलेश आनन्द भरणे, जिलाधिकारी युगल किशोर पन्त, एसएसपी मन्जूनाथ टीसी, मुख्य विकास अधिकारी विशाल मिश्रा, अपर जिलाधिकारी जय भारत सिंह, उप जिलाधिकारी प्रत्यूष सिंह, कौस्तुभ मिश्रा, सहित अमित नारंग, भारत भूषण चुघ, सुरेश कोली सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

संपादकीय

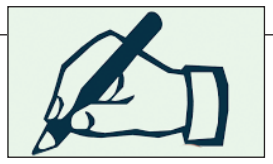

बढ़ता जलवायु जोखिम

हाल के वर्षों में धरती के तापमान में वृद्धि और गंभीर होते जलवायु संकट से वैश्विक स्तर पर प्राकृतिक आपदाओं की संख्या बढ़ती जा रही है. भारत उन देशों में है, जहां ऐसी स्थिति अपेक्षाकृत अधिक चिंताजनक है. ऑस्ट्रेलिया स्थित क्रॉस डिपेंडेंसी इनिशिएटिव द्वारा तैयार एक रिपोर्ट में बताया गया है कि जलवायु परिवर्तन की चुनौती ऐसी ही बनी रही, तो भारत के 14 राज्यों में 2050 तक प्राकृतिक आपदाओं का संकट बहुत अधिक बढ़ जायेगा. इस रिपोर्ट में विश्व के सबसे अधिक जोखिम वाले 100 राज्यों को चिह्नित किया गया है, जिनमें हमारे देश के इन राज्यों को शामिल किया गया है- बिहार, उत्तर प्रदेश, असम, राजस्थान, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब, केरल, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश. ये राज्य या तो अधिक आबादी के हैं या जनसंख्या घनत्व अधिक है, इनमें अनेक औद्योगिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं. खेती के लिहाज से तो सभी अहम हैं. आपदाओं में सबसे अधिक आशंका बाढ़ को लेकर है. बीते वर्षों में अचानक तेज बारिश और बेमौसम की बरसात की घटनाएं बढ़ी हैं. कई शहरों को भारी बाढ़ का सामना करना पड़ा है. पिछले एक-डेढ़ दशक में कई ऐसे वर्ष रहे हैं, जब औसत तापमान ऐतिहासिक रूप से उच्च स्तर पर रहा है. इस वर्ष फरवरी में हिमालयी क्षेत्रों से लेकर समुद्र के किनारे बसे मुंबई तक में पारा सामान्य से अधिक ऊपर रहा है. पिछले साल भी ऐसी ही हालत थी, जिसका असर गेहूं की पैदावार पर पड़ा था. इस वर्ष भी इसी तरह की चिंता जतायी जा रही है. सरकार ने इस असर के अध्ययन के लिए एक समिति का गठन भी किया है. जोखिम वाले राज्यों की संख्या के हिसाब से भारत से आगे केवल चीन ही है. सूची के शीर्षस्थ सौ राज्यों में आधे से अधिक चीन, भारत और अमेरिका के हैं. यह भी ध्यान में रखा जाना चाहिए कि जनसंख्या के पैमाने पर हमारे राज्य कई देशों से बड़े हैं या कमोबेश बराबर हैं. क्षेत्रफल के हिसाब से भी बहुत से देश हमारे राज्यों से छोटे हैं. रिपोर्ट में रेखांकित किया गया है कि जिस राज्य में विभिन्न प्रकार के इंफ्रास्ट्रक्चर अपेक्षाकृत अधिक विकसित हैं, वहां जोखिम भी अधिक है.

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

ऋषिकेश में 25 करोड़ की लागत से बनेगा श्रीदेव सुमन कैंपस भवन

ऋषिकेश। श्री देव सुमन विश्वविद्यालय के ऋषिकेश कैंपस में शैक्षणिक और प्रशासनिक भवन का शिलान्यास 27 फरवरी को सीएम पुष्कर सिंह धामी करेंगे। गुरुवार को वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि पहली बार ऋषिकेश आ रहे मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत किया जायेगा। ऋषिकेश में श्री देव सुमन विश्वविद्यालय ऋषिकेश कैंपस के निर्माण में 25 करोड़, 19 लाख, 15 हजार रुपये का खर्च आयेगा। गुरुवार को शहरी विकास एवं वित्तमंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं की बैठक ली। इसमें कार्यक्रम की सफलता के लिए रूपरेखा तैयार की गई।

वित्तमंत्री ने कहा कि पहली बार ऋषिकेश आ रहे सीएम के स्वागत में मोटरसाइकिल रैली निकाली जायेगी। शहर में विभिन्न स्थानों पर व्यापारी उनका स्वागत करेंगे। अग्रवाल ने कहा कि ऋषिकेश में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए लगातार कार्य किये जा रहे है। मौके पर जिलाध्यक्ष रविन्द्र राणा, जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा कविता शाह, जिलाध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा सतीश सिंह, जिला महामंत्री दीपक धमीजा, जिला उपाध्यक्ष मनोज ध्यानी, दिनेश सती, प्रतीक कालिया, मण्डल अध्यक्ष वीरभद्र सुरेंद्र सिंह, मण्डल अध्यक्ष श्यामपुर दिनेश पयाल, रायवाला शिवानी भट्ट, मण्डल महामंत्री नितिन सक्सेना, तनु तेवतिया, गौरव कैंथोला, दीपक जुगलान, चंद्र मोहन पोखरियाल, आशीष जोशी, महिला मोर्चा मण्डल अध्यक्ष माधवी गुप्ता, निर्मला उनियाल, सोनी रावत, देवदत्त शर्मा, युवा मोर्चा ऋषिकेश मण्डल अध्यक्ष जगावर सिंह, वीरभद्र युवा मोर्चा अध्यक्ष शंकर, श्यामपुर मण्डल युवा मोर्चा अध्यक्ष जयम शर्मा, विजय शर्मा, पार्षद शिव कुमार गौतम, विकास तेवतिया, राजेश दिवाकर, वीरेंद्र रमोला, विजेंद्र मोंगा, हरीश तिवारी, रूपेश गुप्ता आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पूर्व राज्यमंत्री कृष्ण कुमार सिंघल, विमला नैथानी, सतपाल सैनी, सीमा रानी, लक्ष्मी गुरुंग, मनोज जैन, पुनिता भंडारी, जिला पंचायत सदस्य दिव्या बेलवाल, जिला मंत्री गणेश रावत, मानवेन्द्र कंडारी, शम्भू पासवान, शिवम टुटेजा, दीपक बिष्ट आदि मौजूद थे।

मुख्यमंत्री से की रैंकर उप निरीक्षक भर्ती घोटाले के जांच की मांग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

विकासनगर, 23 फ़रवरी। रैंकर उप निरीक्षक भर्ती 2014-15 की उच्च स्तरीय जांच समेत सहकारी बैंक घोटाले की जांच रिपोर्ट पर जल्द कार्रवाई किए जाने की मांग जन संघर्ष मोर्चा ने की है। मोर्चा की ओर से गुरुवार को इस आशय का ज्ञापन मुख्यमंत्री को सौंपा गया। ज्ञापन देने मुख्यमंत्री कार्यालय पहुंचे मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ नेगी ने बताया कि रैंकर उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा में लगभग 300 परीक्षार्थियों का परिणाम वर्ष 2016 में घोषित किया गया था, जिसमें लिखित परीक्षा ओएमआर शीट के माध्यम से कराई गई। रैंकर परीक्षा उसी जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा संपन्न कराई गई, जिसने उप निरीक्षक (सीधी भर्ती) परीक्षा संपन्न कराई थी। सूत्र बताते हैं कि लिखित परीक्षा में कई अभ्यर्थियों ने ओएमआर शीट में बामुश्किल 30 से 40 प्रश्न हल किए और बाकी शीट कोरी छोड़ कर आ गए, जिसको बाद में ओएमआर शीट में सेटिंग-गेटिंग के आधार पर भरा गया। कहा कि ओएमआर शीट की फॉरेंसिक जांच कराई जानी जरूरी है। उन्होंने कहा कि सहकारिता विभाग द्वारा प्रदेश के सहकारी बैंकों में 423 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की भर्ती कराई गई थी, जिसमें देहरादून, अल्मोड़ा और ऊधमसिंह नगर जनपद में बड़े पैमाने पर जालसाजों ने भर्ती घोटाले को अंजाम दिया था, जिसको लेकर सरकार ने एक अप्रैल 2022 को जांच कमेटी गठित कर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए थे। बताया कि कमेटी ने अक्तूबर 2022 को रिपोर्ट शासन को सौंप दी थी, लेकिन अभी तक रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया गया। नेगी ने आरोप लगाया कि इन भर्तियों में एक पद 10 लाख से लेकर 15 लाख रुपए तक में बेचा गया था, जिसकी पुष्टि जालसाजों और नौकरी पाए अभ्यर्थियों के बैंक खातों में हुए लेनदेन की डिटेल से पुष्टि की गई है। कहा कि इन घपलेबाजों ने अपने रिश्तेदारों के साथ- साथ बैंक में कार्यरत अधिकारियों, कर्मचारियों के परिजनों से मोटी रकम हासिल कर नौकरियां बांट दी थी। प्रतिनिधि मंडल में मोर्चा महासचिव आकाश पंवार, विनयकांत नौटियाल आदि मौजूद रहे।

चकराता में कैंटोनमेंट बोर्ड को हटाने की रक्षा राज्यमंत्री से की मांग

विकासनगर, 23 फ़रवरी।। जौनसार-बावर के सामाजिक संगठन लोक पंचायत ने चकराता से कैंटोनमेंट बोर्ड को हटाने की मांग की है। कहा कि चकराता में आज भी ब्रिटिश शासन द्वारा थोपा गया कानून स्थापिति है। जिसके कारण चकराता क्षेत्र में पर्यटन का विकास ठप हो गया है। लोक पंचायत के सदस्य भारत चौहान ने नई दिल्ली में रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट के शासकीय आवास पर उन्हे एक मांग पत्र सौंपा। जिसमें चौहान ने कहा कि चकराता क्षेत्र में विदेशी पर्यटकों को सुरक्षा की दृष्टि लंबे समय से प्रतिबंधित किया गया है। जबकि वर्तमान समय में जब गूगल से हर एक स्थान की बारीकी से जानकारी प्राप्त की जा सकती हैद्य तब चकराता क्षेत्र में विदेशी पर्यटकों को प्रतिबंधित किया जाना कितना उचित होगा। उन्होंने कहा कि 1869 में ब्रिटिश सेना के कर्नल हयूम द्वारा चकराता छावनी परिषद की घोषणा की गई थी तब ब्रिटिश सेना ने चकराता को अपने आरामगाह के रूप में विकसित किया था। अब देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है इसलिए चकराता को पर्यटन की दृष्टि से एक नए शहर के रूप में विकसित करने के लिए स्वतंत्र रूप से विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि छावनी क्षेत्र में सिविल आबादी के लिए अनेक पाबंदियां लगाई गयी हैं, जिसके कारण लोग अपने मकानों की मरम्मत तक नहीं कर पा रहे हैं। प्राकृतिक सौंदर्य की दृष्टि से चकराता घने बाज़, बुरश और देवदार के वृक्षों से घिरा हुआ है। यहां पर पर्यटन की अपार संभावना हैद्य लेकिन कैंटोनमेंट एरिया होने के कारण यहां का विकास ठप है।

भराडीसैंण में विस बजट सत्र को लेकर जिला प्रशासन ने की तैयारियां तेज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली, 23 फ़रवरी।। भराडीसैंण (गैरसैंण) में विधानसभा बजट सत्र को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी है। वृहस्पतिवार को मुख्य विकास अधिकारी डा.ललित नारायण मिश्र ने भराडीसैंण में सभी संबधित अधिकारियों के साथ सत्र की तैयारियों को लेकर स्थलीय निरीक्षण करते हुए समीक्षा बैठक की। उन्होंने निर्देशित किया कि समय से सत्र की सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। भराडीसैंण में आगामी 13 से 18 मार्च तक विधानसभा का बजट सत्र होना है।

मुख्य विकास अधिकारी ने विधानसभा भवन में माननीय मुख्यमंत्री मंत्री, विधानसभा अध्यक्ष एवं संसदीय मंत्री कार्यालय एवं आवास व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए संबधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। लोनिवि को सभी चिन्हित स्थानों पर बैरिकेडिंग, वॉच टावर, बैरियर की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। बीएसएनएल को विधानसभा भवन, मीडिया सेंटर, पुलिस कन्ट्रोल के साथ ही अन्य प्रमुख स्थानों पर वाईफाई एवं नेटवर्क की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विद्युत विभाग को जनरेटर व डीजल की व्यवस्था के साथ विद्युत आपूर्ति सुचारू रखने तथा आरडब्लूडी को विधानसभा भवन एवं आवासों में पेयजल आपूर्ति सुचारू करने और जल निगम को पेयजल टैंक की साफ सफाई एवं क्लोरिनेशन करने के निर्देश दिए। जल संस्थान को पर्याप्त संख्या में टैंकरों की व्यवस्था करने को कहा। स्वास्थ्य विभाग को विधानसभा परिसर में स्वास्थ्य सुविधा के लिए मेडिकल उपकरण, दवाइयों सहित चिकित्सकों की तैनाती करने को कहा। जिला पूर्ति अधिकारी को सत्र के दौरान वीवीआईपी, वीआईपी, अधिकारी एवं कर्मचारियों के भोजन हेतु समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। कहा कि इसमें स्वयं सहायता समूह को भी शामिल किया जाए। साथ ही परिसर में डेली उपयोग में आने वाले सामान की उपलब्धता हेतु एक दो दुकानों की व्यवस्था भी की जाए।

तहसील प्रशासन को गैरसैंण स्थित सरकारी एवं गैर सरकारी आवासों का अधिग्रहण करने, जरूरत के हिसाब से विभागों को आवंटित करने को कहा। ड्यूटी कार्मिकों को पास निर्गत करने के निर्देश दिए। नगर पंचायत को विधानसभा परिसर एवं आवासों में नियमित साफ सफाई, कूडा निस्तारण एवं अस्थायी शौचालयों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। लोनिवि एवं एनएच को सडक दुरूस्त करने, साइनेज व रिफलेक्टर लगाते हुए मोटर मार्ग को सुचारू रखने के निर्देश दिए। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने भरडीसैंण हैलीपेड का निरीक्षण भी किया।

भगवान कार्तिक स्वामी मंदिर में हुआ भगवान कार्तिकेय का वाहन मोर स्थापित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग, 23 फ़रवरी। भगवान कार्तिक स्वामी मंदिर में क्षेत्रीय लोगों एवं भक्तों की मांग पर श्री कार्तिकेय मंदिर समिति ने भगवान कार्तिक के वाहन मयूर (मोर) को स्थापित कर दिया है। शुक्रवार और शनिवार को दो दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा और पूजा-अर्चना का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिसके बाद भक्त दर्शन कर सकेंगे। गुरुवार को कार्तिक स्वामी मंदिर के ठीक सामने भगवान कार्तिक के वाहन मयूर को स्थापित किया गया। इससे पहले कार्तिकेय मंदिर समिति के पदाधिकारियों द्वारा देहरादून में इसे बनवाकर कार्तिक स्वामी पहुंचाया गया। 24 और 25 फरवरी को पूजा अर्चना और प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन किया जाएगा। मंदिर समिति के अध्यक्ष शत्रुघन सिंह नेगी ने बताया कि इस धार्मिक आयोजन में विद्वान आचार्य द्वारा सनातनी परंपराओं के अनुसार मंदिर के सामने स्थापित किए गए भगवान के वाहन मयूर को प्राण प्रतिष्ठत कर दिया जाएगा।

कहा कि जैसा प्रत्येक शिवालयों में बाहर से भगवान शिव की नंदी सवारी भक्तों को दर्शन के लिए अवसर प्रदान करती है ठीक उसी प्रकार अब कार्तिक स्वामी मंदिर में भी भगवान कार्तिक के सवारी मोर भक्तों को दर्शन देंगे। उन्होंने क्षेत्रीय जनता से अधिक से अधिक संख्या में आकर इस पवित्र क्षण में पुण्य अर्जित करने का आह्वान किया है। समिति के प्रबंधक पूर्ण सिंह नेगी, सचिव बलराम, कोषाध्यक्ष चंद्र सिंह नेगी ने भी सभी भक्तों से आयोजन में पहुंचने का आह्वान किया है।

भर्ती घोटालों की सीबीआई जांच को लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

नई टिहरी। एनएसयूआई के साथ कांग्रेसियों ने भर्ती घोटालों की सीबीआई जांच की मांग को लेकर हनुमान चौक पर प्रदर्शन करते हुए प्रदेश सरकार का पूतला फूंका। वक्ताओं ने कहा कि प्रदेश सरकार घपलों के आरोपियों के बचाना चाहती है। इसलिए सीबीआई जांच नहीं करवा रही है। गुरुवार को एनएसययूआई के साथ कांग्रेसियों ने नगर के प्रमुख चौक हनुमान चौक पर भाजपा की प्रदेश सरकार पर परीक्षाओं में हो रही धांधली न रोक पाने का आरोप लगाया। लगातार हो रहे पेपरलीक के मामलों से सरकार के सिस्टम पर सवाल उठ रहे हैं। लगातार युवाओं का भरोसा सरकार की परीक्षा प्रणाली से हट रहा है। वक्ताओं ने कहा कि घपलेबाजों के खुलासे के लिए सीबीआई जांच बहुत जरूरी है।

ऋषिकेश के कई इलाकों में गहराया पानी का संकट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश, 23 फ़रवरी। ठंड घटते ही शहर के कई इलाकों में पानी का संकट गहराने लगा है। कई इलाकों में दूषित पानी भी नलों से आ रहा है। आक्रोशित लोगों ने गुरुवार को जलसंस्थान के दफ्तर पहुंचकर समस्या से निजात दिलाने का मामला उठाया। चेताया कि एक सप्ताह के भीतर समस्या का निस्तारण नहीं किया गया तो वह आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। गुरुवार दोपहर गंगा सेवा रक्षा दल के स्वयंसेवकों के साथ लोगों ने जलकल अभियंता से मिलकर पानी की समस्या का मामला उठाया।

बताया कि 40 साल पुरानी पाइप लाइन कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो चुकी है। इससे दूषित पानी नलों में आ रहा है। पानी का प्रेशर कम होने से कई घरों के नलों में पानी ही नहीं आ रहा है। बताया कि शहर के मनीराम मार्ग, तिलक मार्ग, बनखंडी, रेलवे रोड, अद्वैतआनंद मार्ग, हरिद्वार मार्ग, सोमेश्वर नगर, शांति नगर, गुलाटी प्लॉट, गंगानगर, आशुतोष नगर आदि क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों ने कहा कि पारा चढ़ते ही इन इलाकों में पानी का संकट हो जाता है। बीते साल भी गर्मियों में नलों में पानी न आने से लोग परेशान रहे। इसलिये फिलहाल लीकेज की समस्या तुरंत दूर की जाये। साथ ही चालीस साल पुरानी क्षतिग्रस्त लाइन को बदला जाये, ताकि लोगों को पानी की समस्या से निजात मिल सके। गंगा सेवा रक्षा दल के अध्यक्ष नरेन्द्र शर्मा ने चेतावनी दी कि एक सप्ताह के भीतर लो-प्रेशर की समस्या दूर न की तो लोग आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। जलकल अभियंता वीएस नेगी ने जल्द समस्या के समाधान का भरोसा दिलाया। जलसंस्थान के अधिकारियों से मिलने वालों में पंकज ध्यानी, राहुल कुमार, दिनेश राणा, अनूप सिंह बिष्ट, नवीन चौधरी, संजय ध्यानी, प्रदीप जखमोला, पुनीत कालरा आदि शामिल रहे।

संक्षप्ति खबरें

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता के बनबसा पहुँचने पर कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

चम्पावत। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता सुरेश जोशी के बनबसा आगमन पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने फूल माला पहनाकर ज़ोरदार स्वागत किया,इस मौक़े पर भाजपा के मंडल अध्यक्ष कमलेश भट्ट,संजय अग्रवाल, महेश चंद,अल्पसंख्यक मोर्चा का मंडल अध्यक्ष इमरोज ख़ान, ओबेसी मोर्चे के मंडल अध्यक्ष बलवीर सिंह किसान मोर्चा मण्डल अध्यक्ष सावन चंद,देवेंद्र ठाकुर, मोनू ठाकुर,अमर पाल,संजय ठाकुर आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मुंशी हरिप्रसाद टम्टा को याद किया

चम्पावत। भाजपा अनुसूचित मोर्चा के तत्वाधान में महान समाज सुधारक स्व मुंशी हरिप्रसाद टम्टा की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर याद किया। गुरुवार को पुष्पाजंलि कार्यक्रम का जिले के मुडियानी, सूखीढांग, घुरचुम, राकडीफुलारा और बनबसा में अयोजित किया गया। इस अवसर पर भाजपा अनुसूचित मोर्चा जिलाध्यक्ष गोविन्द प्रसाद ने कहा कि मुंशी हरिप्रसाद टम्टा एक महान समाज सुधारक थे। उन्होंने समाज में समतामूलक समाज के लिए जो काम किए। यहां अनुसूचित मोर्चा के मंडल अध्यक्ष रोहित कुमार, दीपक कुमार, अशोक कुमार, ग्राम प्रधान तुलसी रहे।

पपों में खडिय़ा खान मालिक पर लगाया वायदे से मुकरने का आरोप

बागेश्वर। दोफाड़ के पपों के ग्रामीणों ने गांव में हो रहे खनन पर रोक लगाने की मांग की है। कहा है कि खान मालिक द्वारा गांव के रास्ते, पेयजल लाइन आदि को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। साथ ही खान स्वीकृति से पूर्व हुए समझौते से मुकरने का आरोप लगाया है। जिलाधिकारी को दिए ज्ञापन में ग्रामीणों ने कहा कि पपों गांव में खान है जिसके द्वारा लंबे समय से दिन व रात को जेसीबी के माध्यम से खनन किया जा रहा है। कहा कि क्षेत्र में अनुसूचित जाति के परिवार निवास करते हैं अवैध खनन से उनके आवासों को खतरा बना हुआ है। कई घरों में दरारें आ गई हैं। ग्रामीणों ने कहा कि गत वर्ष खान संचालक व एक अन्य के साथ गांव में आए थे तथा ग्रामीणों से कहा गया कि वे अनापत्ति दें तथा खनन का विरोध न करें जिसके एवज में उन्हें अलग से पक्का मकान बनाकर दिया जाएगा। इसके बाद उनके सादे पेपर में हस्ताक्षर किए गए परंतु अब तक उन्हें आवास नहीं मिला है जिससे उनके समक्ष संकट उत्पन्न हो गया है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मुलाकात करके मांग की कि क्षेत्र में हो रहे खनन की जांच करके खान मालिक के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। ज्ञापन में हीरा राम, रमेश राम, राजन राम, दरवानराम, कैलाश टम्टा, तेजराम टम्टा, बच राम समेत ग्राम प्रधान बीना कालाकोटी के हस्ताक्षर हैं।

छात्राओं की करियर काउंसलिंग की

बागेश्वर। राजकीय इंटर कालेज लीली में छात्राओं की करियर काउंसलिंग की गई। उन्हें विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी आदि की जानकारी दी गई। लक्ष्य को साध कर आगे बढने का आह्वान किया गया। प्रधानाचार्य दीपक कुमार ने करियर एंड गाइडेंस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र में बेहतर काम कर रही हैं। बालिकाओं के लिए सरकार ने योजनाएं भी बनाई हैं। वह उनका लाभ उठाते हुए लक्ष्य साधें। 12 वीं की छात्राओं को एएनएम, जीएनएम, समूह ग, एंट्री आपरेटर, एनटीटी आंगनबाड़ी, पुलिस, अद्र्धसैनिक बल, आइएएस, पीसीएस, पटवारी आदि परीक्षाओं के बारे में जानकारी दी गई। काउंसलर चंदन सिंह कोरंगा ने छात्राओं का आह्वान किया कि वह लक्ष्य साध कर ही आगे बढ़ेंगी। 12 वीं के बाद उच्च शिक्षा के साथ ही वह प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में कर सकतीं हैं। इस दौरान एसएमसी अध्यक्षा राधा देवी, नीमा कोरंगा आदि उपस्थित थे।

एनएसएस स्वयंसेवियों को नागरिक अधिकारों के बारे में दी विस्तृत जानकारी

अल्मोड़ा। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रानीखेत के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर ग्राम बनोलिया में जारी है। शिविरार्थियों ने तल्ला व मल्ला बनोलिया में नशा जागरूकता रैली का निकाल नशे के दुष्परिणामों की जानकारी दी। जन संपर्क के माध्यम से भी ग्रामीणों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। स्वयंसेवियों ने कहा कि नशे की प्रवृत्ति व्यक्ति विशेष सहित पूरे समाज के लिए हानिकारक है। बौद्धिक सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में पहुंचे एडवोकेट राजकुमार पांडे ने शिविरार्थियों को नागरिक अधिकारों के विषय में विस्तार से जानकारी दी। कहा कि अधिकारों की जानकारी से नागरिक स्वयं को सुरक्षित रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि नागरिक को अपने अधिकारों के बारे में पूरी तरह जागरूक रहना चाहिए। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कमला ने भी स्वयंसेवी छात्राओं से अधिकारों के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पारुल भारद्वाज ने किया। शिविर में विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों के आयोजन के साथ रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी धूम मची है।

सडक़ निर्माण के साथ हो पौधरोपण

पिथौरागढ़। विकास खंड सभागार धारचूला में द हंगर प्रोजेक्ट के तहत क्षेत्र के सरपंचों व पंचायत प्रतिनिधियों की बैठक हुई। वन सरपंचों ने बैठक में कहां की सरकार वनों के विस्तार के लिए उदासीन है। बीते वित्त वर्ष में वन पंचायत के लिए कोई भी बजट स्वीकृत नहीं हुआ जिससे वनों पर निगरानी व अन्य कार्यों के लिए सभी की उदासीनता रही। सरपंचों ने कहा कि वन विभाग के द्वारा बैठक बुलाई जाती है लेकिन आश्वासन के सिवा कुछ भी नहीं होता है। वनों पर निगरानी व पर्यावरण संरक्षण के लिए सरकार को बजट जारी करना चाहिए। क्षेत्र में सडक़ निर्माण के दौरान काटे गए पेड़ों के स्थान पर फिर से वृक्षारोपण करने के लिए निश्चित व्यवस्था बनाई जानी चाहिए।साथ ही वनों के संरक्षण के लिए बैठक में स्वयं से पहल करने के लिए रणनीति बनाई गई। बैठक में सरपंच जीवन मार्छाल,धीरेंद्र नगन्याल, कालूराम भारती, राधिका बोनाल,उषा तीतियाल,शकुंतला, पार्वती देवी,विनीता,मंजू देवी द हंगर प्रोजेक्ट के गंगा बसेड़ा,पूजा धामी, मंगल राम आरती आदि मौजूद रहे।

दहेज उत्पीडऩ में केस दर्ज

विकासनगर। सहसपुर थाना क्षेत्र की एक महिला ने पति, सास, ससुर, देवर सहित आठ लोगों पर दहेज उत्पीडऩ, मारपीट, जान से मारने की धमकी का आरोप लगाया है। महिला ने अपने देवर पर जबरन दुराचार करने का भी आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ विभिन्न आपराधिक धाराओं में मुकदमा दर्ज कर दिया है। सहसपुर थाना पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी शादी मुजफ्फरनगर निवासी शहदाब पुत्र शहजाद के साथ हुई थी। बताया कि शादी के बाद से ही पति सहित ससुराली उसका दहेज के लिए उत्पीडऩ करने लगे। बताया कि पति शहदाब के अलावा सास साबरी, ससुर शहजाद, देवर आजाद उर्फ छोटू, यामीन कल्लू, रुजमा, रुबी सभी निवासीगण अंबेहटा मोहन, थाना बडग़ांव मुजफ्फरनगर यूपी उसके साथ दहेज के लिए मारपीट, गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी देने के साथ ही दहेज उत्पीडऩ करते रहे।